बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग-२—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित ।)

बृहस्पतिवार, तिथि २ अगस्त, १९७३ ।

विषय सूची ।

	पृष्ठ
अत्यावश्यक लोक महत्त्व के विषय पर ध्यानाकर्षण एवं उन पर सरकारी वक्तव्य:	
(क) पूर्णियां जिलान्तर्गत श्री विश्वनाथ चौधरी द्वारा हरिजन मजदूर को पीटा जाना	१-५
ध्यानाकर्षन-सूचना पर सरकारी वक्तव्य:	
(क) सहरसा जिलान्तर्गत श्री काशीनाथ झा की पुनः लोक अभियोजक के पदपर नियुक्ति	५-६
अत्यावश्यक लोक महत्त्व के विषय पर ध्यानाकर्षण एवं उन पर सरकारी वक्तव्य:	
(ख) सीतामढ़ी जिलान्तर्गत विश्वनाथपुर ग्राम में अवस्थित मुसलमानों के कब्रिस्तान की सुरक्षा	६-७
(ग) सहकारिता मैनेजरों की नियुक्ति:	७-८
आय-व्ययक: अनुदानों की मांगों पर मतदान:	८-१७
भू-राजस्व (लैंड रेवेन्यू) (क्रमशः)	
कटौती प्रस्ताव: राज्य सरकार की भू-राजस्व नीति (क्रमशः)	१७-२०

मुसलमानों का एक कब्रिस्तान है, जिसमें पड़ोस के गाँवों के मुसलमान अपने परिवार की लाशें दफनाते हैं। उपर्युक्त कब्रिस्तान में कुछ समाज विरोधी तत्त्वों ने अपना घर बना लिया है और भविष्य में वे इस पूरे कब्रिस्तान पर कब्जा कर लेना चाहते हैं। अल्प संख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा सीतामढ़ी के जिलाधीश, अनुमंडल पदाधिकारी, सीतामढ़ी (पश्चिम) तथा आरक्षी अधीक्षक नहीं कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में हम सरकार से स्पष्टीकरण चाहते हैं।

श्री जगन्नाथ मिश्र—इसके लिए समय चाहिए।

अध्यक्ष—कब तक ?

श्री जगन्नाथ मिश्र—८ तारीख को जवाब दूँगा।

अध्यक्ष—इस पर ८ तारीख को सरकार का वक्तव्य होगा।

(ग) सहकारिता मैनेजरों की नियक्ति।

श्री सूरजदेव सिंह—अध्यक्ष महोदय, स्थानीय विज्ञापन देखने से यह ज्ञात हुआ है कि बिहार सरकार के सहकारिता विभाग में पांच हजार सहकारिता मैनेजर के लिए आवेदन पत्र दिनांक ३१-७-७३ तक मांगे गए हैं।

श्री चितरंजन प्रसाद सिंह—डिपुटी सेक्रेटरी, सहकारिता की ओर से यह विज्ञापन निकाला गया है। अभी से ही सहकारिता मंत्री के प्राइवेट सेक्रेटरी श्री विजय प्रसाद सिंह जो पहले भी इनके प्राइवेट सेक्रेटरी थे, जिनपर घूस लेने का गम्भीर आरोप सिद्ध हो चुका था तथा वे सरकारी सेवा से मुअतल कर दिये गये हैं फिर भी उनके द्वारा प्रति उम्मीदवार तीन-तीन हजार रुपये अग्रिम के रूप में नौकरी देने के नाम पर जमा करवाया जा रहा है। यह भी ज्ञात हुआ है कि डिपुटी सेक्रेटरी श्री चितरंजन सिंह इनके बिलकुल निकट के सम्बन्धी हैं। ये सब मिलकर गोलमाल करने का पूर्व से ही योजना बना रखे हैं।

अतः हमलोगों का विनम्र आग्रह है कि इस बेकारी के युग में एक साथ इतनी अधिक नियुक्तियों के लिए वरीय आई० ए० एस० पदाधिकारियों का एक

बोर्ड बना दिया जाय ताकि बेकार युवकों के साथ न्याय हो सके।

श्री जगन्नाथ मिश्र—मैं कल इसका जवाब दूंगा।

अध्यक्ष—कल जवाब होगा।

(इस अवसर पर उपाध्यक्ष ने आसन ग्रहण किया।)

आय-व्यक : अनुदानों की माँगों पर मतदान :

भूराजस्व (लैंड रेवेन्यू)।

श्री लहटन चौधरी—उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि भू-राजस्व (लैंड रेवेन्यू) के सम्बन्ध में ३१ मार्च, १९७४ को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान में जो व्यय होगा उसकी पूर्त्ति के लिए १०,६८ २५, ७०० रुपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय।

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है।

उपाध्यक्ष महोदय, बिहार राज्य गरीब राज्यों में से एक है और यह कहना अनावश्यक नहीं कि यहाँ के बहु-संख्यक लोग गरीब हैं और जिसको आज कल की भाषा में गरीबी रेखा के नीचे के लोग कहा जाता है, लगभग ६० प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। जो उससे उपर के लोग हैं वे सभी सुख में हैं—ऐसी बात नहीं कही जा सकती है, वे भी साधारण तरह के लोग ही हैं। और ऐसे १५-२० प्रतिशत लोग हैं जिन्हें साधारणतः खुशहाल कहा जा सकता है। तो ऐसे राज्य में जहाँ इस तरह की आर्थिक स्थिति है, जहाँ के लोग ऐसे गरीब हैं। अधिकतर लोगों को भर पेट और पूरा-पूरा खाना नहीं मिलता है, वहाँ इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि उनके रहने के लिये घर नहीं है और अपनी जमीन उनको वास के लिये अभी तक नहीं हो सकी है। ऐसे राज्य की जो इस तरह की व्यवस्था है उसको सुधार करने के लिये काफी प्रयत्न की आवश्यकता है, काफी मेहनत की आवश्यकता है।

उपाध्क्ष महोदय, इस सिलसिला में हमको अपनी आर्थिक स्थिति को काफी मजबूत करने की जरूरत होगी। इसके लिए आज हमें काफी पैसे की आवश्यकता है। हमें अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार करने के लिये और जो भी साधन उपलब्ध हैं, और जो हमारे साधनों के श्रोत हैं उनका सही-सही उपयोग हो सके, इस बात की आवश्यकता है।। उपाध्यक्ष महोदय, जहाँ तक साधन का